बी.ई.सी.सी.-131

कला स्नातक कार्यक्रम /कला स्नातक (बहु विषयी) कार्यक्रम (बी.ए.जी./बी.ए.एम.)

सत्रीय कार्य 2024–25

पाठ्यक्रम कोड : बी.ई.सी.सी.–131

पाठ्यक्रम शीर्षक : व्यष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांत-I

इग्नू जन-जन का विश्वविद्यालय

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली - 110068

बी.ई.सी.ई.-131
सूक्ष्म अर्थशास्त्र के सिद्धांत-I
सत्रीय कार्य
(2024-25)

प्रिय अध्येता,

जैसा कि हमने आपको कार्यक्रम-निर्देशिका में सूचित किया था, इग्नू में आपकी प्रगति का मूल्यांकन दो भागों में किया जाता है : (i) सत्रीय कार्यों द्वारा निरंतर मूल्यांकन; और (ii) सत्रांत परीक्षा। आपके संपूर्ण मूल्यांकन में सत्रीय कार्य का भार 30% तथा सत्रांत परीक्षा का भार 70% होता है।

आपको एक 6 क्रेडिट पाठ्यक्रम के लिए 3 या 4 क्रेडिट पाठ्यक्रम के लिए 2 शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य करने हैं। इस सत्रीय कार्य पुस्तिका में आपके कोर पाठ्यक्रम **बी.ई.सी.सी.-131 : व्यष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांत-I** का शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य दिया गया है– यह पाठ्यक्रम 6 क्रेडिट का है। अतः इस पुस्तिका में 3 शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य है जिनके अंकों का योगफल 100 है और भार 30% है।

सत्रीय कार्य-I में विस्तारपूर्ण प्रश्न (DCQs) हैं। इनमें आपको निबंधात्मक उत्तर लिखते हैं जिनमें प्रस्तावना और निष्कर्ष भी होते हैं। इनका लक्ष्य आपकी विषयवस्तु को ठीक से समझ उसे भली प्रकार सुस्पष्ट रूप से व्यक्त रने की क्षमता का मूल्यांकन करना है।

सत्रीय कार्य-II में मध्य स्तर वर्ग (MCQs) के प्रश्न है। यहाँ आपकी विषय की तर्कों के अनुसार व्याख्या करते हुए संगठित उत्तर लिखने की क्षमता का मूल्यांकन किया जाता है। दूसरे शब्दों में, आपकी विभिन्न संकल्पनाओं एवं प्रक्रियाओं में भेद एवं तुलना कर पाने की क्षमता का यहाँ आंकलन किया जाएगा।

सत्रीय कार्य–III में, संक्षिप्त उत्तर वर्ग (SCQs) के प्रश्न हैं। ये आपकी व्यक्तियों, रचनाओं, घटनाओं या संकल्पनाओं एवं प्रक्रियाओं का पुनःस्मरण कर संबद्ध जानकारी को संक्षेप में व्यक्त करने की क्षमता का विकास करेंगे।

सत्रीय कार्य करना आरंभ करने से पूर्व कार्यक्रम निदेशिका के निर्देशों को ध्यानपूर्वक समझ लें। यह बहुत महत्त्वपूर्ण है कि आप अपने शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दें। आपके उत्तर बताई गई शब्द सीमा में ही होने चाहिए। याद रखें कि इन प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन कला में सुधार होगा और आपकी परीक्षा हेतु तैयारी भी होगी।

आपको सत्रांत परीक्षा में शामिल होने का पात्र बनने के लिए कार्यक्रम निदेशिका में बताई गई समय सीमाओं में ही अपने सत्रीय कार्य जमा कराने होंगे।

ये सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास जमा करा देने चाहिए।

i) जुलाई 2024 सत्र में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों के लिए सत्रीय कार्य जमा कराने की अंतिम तिथि 31 मार्च, 2025 है।

ii) जनवरी 2025 सत्र में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों के लिए सत्रीय कार्य जमा कराने की अंतिम तिथि 30 सितंबर 2025 है।

आपको अध्ययन केंद्र से सत्रीय कार्य जमा करने की रसीद मिलेगी। उसे संभाल कर रखें। संभव हो तो अपने सत्रीय कार्य की एक फोटो प्रतिलिपि भी करा रखें।

अध्ययन केंद्र मूल्यांकन के बाद आपके सत्रीय कार्य आपको लौटाएगा। आपको मिले अंक अध्येता मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, नई दिल्ली को भेजें जाएंगे?

हम आशा करते हैं कि आप सभी प्रश्न सत्रीय कार्यों में उनके लिए दिए गए निर्देशों के अनुसार हल करेंगे। इन बातों का ध्यान रखना उपयोगी रहेगा :

1) **नियोजन :** प्रश्नों को ध्यान से देखें और उन इकाइयों को पढ़ें जिन पर वे आधारित है। प्रत्येक प्रश्न के महत्त्वपूर्ण बिंदुओं को लिखकर रखें तथा उन्हें तार्किक क्रम में संयोजित करें।

2) **गठन :** अपने उत्तरों की प्रारंभिक रूपरेखा तैयार करते समय कुछ चयन और विश्लेषण ज़रूर करें। अपनी प्रस्तावना तथा निष्कर्षों पर विशेष ध्यान दें।

   सुनिश्चित करें कि आप के उत्तर :

   (क) तर्काधारित एवं सुसंगतिपूर्ण हों;

   (ख) वाक्यों एवं अनुच्छेदों के बीच स्पष्ट संबंध सूत्र हों, और

   (ग) लिखते समय अभिव्यक्ति, शैली एवं प्रस्तुति पर पर्याप्त ध्यान देते हुए सही उत्तर दिए गए हों।

3) **प्रस्तुति :** जब आप स्वयं संतुष्ट हो जाएं तो जमा कराने के लिए अपने अंतिम साफ-साफ लिखें, जहाँ आवश्यक हो, महत्त्वपूर्ण बिंदुओं को रेखांकित भी करें। यह भी ध्यान रखें कि बताई गई शब्द सीमाओं का अनुपालन हो रहा हो।

बीईसीसी 131 व्यष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांत-I
शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : बी.ई.सी.सी.-131
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.टी.(टी.एम.ए.)/2024-25
पूर्णांक : 100

सत्रीय कार्य -1

निम्नलिखित वर्णनात्मक श्रेणी के प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में लिखें। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर का मान 20 अंक है। 2x20 =40

1. क) समोत्पाद वक्र तथा समलागत रेखाओं का प्रयोग कर उत्पादक तथा साधनों में अनुकूलतम संयोग की व्याख्या करें।

ख) दीर्घकालीन सीमांत लागत एवं दीर्घकालीन औसत लागत वक्र के बीच क्या संबंध होता है? रेखाचित्र का प्रयोग कर दीर्घकालीन आर्थिक दक्षता की अवधारणा की व्याख्या करें।

2. क) ''पैमाने की मितव्ययतायें दीर्घकाल में बढ़ते हुए प्रतिफल की ओर ले जाती हैं''– इस कथन के आलोक में दीर्घकाल में फर्म को मिलने वाली पैमाने की आंतरिक एवं बाह्य मितव्ययताओं की चर्चा कीजिए।

ख) यदि सरकार बाजार की संतुलन कीमत स्तर से ऊपर कीमत निर्धारित करती है, तो इसका बाजार पर क्या प्रभाव पड़ेगा?

सत्रीय कार्य 2

निम्नलिखित मध्यम श्रेणी के प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों में लिखें। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है। 3x10=30

3. क) एक घटिया वस्तु के लिए तटस्थता वक्र से मांग वक्र व्युत्पन्न (derive) करें।

ख) मांग की कीमत लोच के आकलन में कुल व्यय विधि की व्याख्या करें।

4. मान लीजिए कि पूंजी P_kकी प्रति इकाई कीमत रू 10 है, श्रम की प्रति इकाई कीमत P_Lरू 20 है, कुल व्यय (outlay) रू 160 है।

i) सम लागत रेखा का ढाल क्या होगा?

ii) सम लागत रेखा का समीकरण क्या होगा?

5. क) कोई उपभोक्ता x तथा y दो वस्तुओं का उपभोग करता है। ऐसी स्थिति में उपयोगिता विश्लेषण के अंतर्गत उपभोक्ता संतुलन की शर्तों की व्याख्या करें।

ख) अल्पकाल में किसी उत्पादन साधन के घटते प्रतिफल के कारण बतायें।

सत्रीय कार्य–3

प्रत्येक लघु उत्तर के प्रश्नों के उत्तर 100 शब्दों में लिखें। प्रत्येक प्रश्न के लिए 6 अंक हैं। **5x 6=30**

6. पूर्ति की वृद्धि एवं पूर्ति के विस्तार में अंतर बतायें।

7. किन शर्तों के तहत मांग वक्र में विवर्तन केवल वस्तु की मात्रा मे परिवर्तन लायेगा?

8. जब किसी उपभोक्ता की आय में वृद्धि होती है तो बजट रेखा में क्या घटित होता है?

9. अंतर्निहित एवं सुस्पष्ट लागत में अंतर बतायें।

10. घटते हुए प्रतिफल का नियम केवल अल्पकाल में लागू होता है -क्या तुम इस कथन से सहमत हो?